प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

व्यावसायिक औद्यानिक नर्सरी उत्पादन पर द्विसाप्ताहिक प्रशिक्षण संपन्न

विश्वविद्यालय के सेवायोजन एवं परामर्श निदेशालय एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वित्तीय सहयोग से कृषि महाविद्यालय में उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत व्यावसायिक औद्यानिक नर्सरी उत्पादन विषय पर आयोजित द्विसाप्ताहिक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन 28 दिसम्बर को हुआ।

इस कार्यक्रम में नर्सरी उत्पादन एवं उद्यमिता से सम्बन्धित 23 व्याख्यानों का आयोजन किया गया, जिसमें भारत में औद्यानिक नर्सरी उत्पादन के अवसर, उत्तराखण्ड में व्यावसायिक नर्सरी उत्पादन हेतु लाइसेंस एवं कानूनी औपचारिकता, नर्सरी स्थापना हेतु सरकारी सहायता, बैंक ऋण, नर्सरी स्थापना हेतु वैज्ञानिक पद्धति एवं लेआउट, मातृवृक्ष प्रबन्धन, बडिंग एवं ग्राफटिंग विधियों द्वारा पौध उत्पादन, गुणवत्तायुक्त बीजू और क्लोनल मूलवृन्त उत्पादन, शीतोष्ण फल, कटहल, नीबू, अनार, पपीता, पुष्पवर्गीय पौधों एवं सब्जियों का गुणवत्तायुक्त पौध उत्पादन, व्यावसायिक नर्सरी उत्पादन हेतु मृदा प्रबन्धन, आम में किस्मों की बहुलता एवं प्रवर्धन, सूक्ष्म व ऊतक प्रवर्धन द्वारा पौध उत्पादन, एकीकृत पौध संरक्षण पद्धति द्वारा रोगमुक्त पौध उत्पादन, संरक्षित तकनीकी, नैनोटैक्नोलोजी आदि पद्धतियों से नर्सरी उत्पादन आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न औद्यानिक संस्थानों के विशेषज्ञों, रक्षा अनुसंधान विकास संगठन के निदेशक, डा. एस.के. द्विवेदी, वाटरशेड प्रबन्धन, देहरादून के डिप्टी डायरेटर, डा. शिव कुमार सिंह, रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय-हजयांसी के डा. गौरव शर्मा, जैन इरीगेशन लिमिटेड के डा. बालकृष्ण एवं डा. राजेश कुमार, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्था, नई दिल्ली के मुख्य वैज्ञानिक, डा. मनषा श्रीवास्तव, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ की प्राध्यापिका, डा. दीपा हंसराज द्विवेदी, पंतनगर के उद्यान विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष, डा. डी.सी. डिमरी, प्राध्यापक, डा. ए.के. सिंह, डा. वी.पी. सिंह, डा. रत्ना राय, सहायक प्राध्यापिका, डा. प्रतिभा, डा. रश्मि पवार, सहायक प्राध्यापक, सब्जी विज्ञान विभाग, डा. एस.के. मौर्य व डा. ललित भट्ट, पादप कार्यिकी विभाग के डा. अतुल कुमार, पादप रोग विज्ञान विभाग के डा. के.पी. सिंह, कीट विज्ञान विभाग के डा. पूनम श्रीवास्तव, मृदा विज्ञान विभाग के डा. पूनम गौतम आदि ने अपने व्याख्यानों से विद्यार्थियों को लाभान्वित किया। कार्यक्रम में टिहरी एवं नन्दपुर, हिमाचल प्रदेश के औद्यानिक नर्सरी एवं सेब उत्पादन के उन्नतिशील उद्यमी, श्री बीरबान सिंह रावत एवं हिमांशु चिनवान ने भी अपने अनुभवों का साझा किया। इस द्विसाप्ताहिक कार्यक्रम के आयोजन में कृषि महाविद्यालय के समन्वयक, डा. ओमवीर सिंह एवं उप-समन्वयक, डा. रत्ना राय का सहयोग रहा। इस कार्यक्रम में 75 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. तेज प्रताप, अधिष्ठाता कृषि, डा. शिवेन्द्र कश्यप एवं निदेशक सेवायोजन एवं परामर्श, डा. आर.एस. जादौन ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में बधाई एवं प्रसन्नता व्यक्त की।